एमएसएमई के लंबित प्रस्तावों को जल्द दिलाएं मंजूरी : सिद्धार्थनाथ

एमएसएमई मंत्री ने नितिन गडकरी से वर्चुअल संवाद में किया आग्रह

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने केन्द्रीय एमएसएमई व सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से उनके मंत्रालय में लंबित प्रदेश से जुड़े प्रस्तावों को जल्द मंजूरी दिलाने का आग्रह किया है। उन्होंने ये भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी व मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र गोरखपुर से जुड़े प्रस्ताव भी लंबित हैं।

सिद्धार्थनाथ ने बृहस्पतिवार को इस संबंध में गडकरी से वर्चुअल संवाद कर एमएसई-सीडीपी (माइक्रो एंड स्माल इंटरप्राइजेज क्लस्टर डेवलपमेंट) योजना को मूर्तरूप देने पर चर्चा की। सिंह ने गडकरी को बताया कि वाराणसी में ग्लास बीड्स क्लस्टर की स्थापना के लिए मंत्रालय से सहयोग राशि मिलनी है। इसी तरह संतकबीर नगर में ब्रासवेयर यूटेनशिल्स क्लस्टर, गोरखपुर में टेराकोटा व पॉटरी परियोजना को भी अंतिम स्वीकृति दी जानी है।

सहारनपुर में लेदर फुटवियर, संभल व मुरादाबाद में वुडेन प्रोसेसिंग कार्विंग तथा शीट मेंटल, लखीमपुर खीरी व बाराबंकी में चिकनकारी, झांसी में हैण्डलूम व स्पाईस ग्रेन प्रोसेसिंग पैकेजिंग, चन्दौली में राइस, मेरठ में लेदर गुड्स, आजमगढ़ में जूट रोप यार्न, गाजीपुर में जूट वॉल हैंगिग, बदायूं में जरी-जरदोजी, गौतमबुद्धनगर में मोल्ड डिजाइन डवलेपमेंट प्लास्टिक, मथुरा में मेटलार्जिकल तथा कानपुर में रेडीमेड गारमेंट आदि औद्योगिक क्लस्टर केंद्र के सहयोग से विकसित किये जाने हैं।

कहा, पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के क्षेत्र के प्रस्ताव भी शामिल

झांसी, वाराणसी, गोरखपुर और चित्रकूट में ट्वाय कलस्टर का किया जाएगा विकास

सिंह ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि पारंपरिक एवं आधुनिक खिलौना उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए झांसी, वाराणसी, गोरखपुर व चित्रकूट में ट्वाय कलस्टर का विकास किया जाना है। इसके लिए जल्दी डीपीआर तैयार कर भेज दी जाएगी। उन्होंने प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित योजनाओं में केंद्र से मिलने वाली सहायता तथा स्वीकृतियों को जल्द से जल्द उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

उन्होंने एमएसईसीडीपी योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की स्वीकृति की प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाने पर भी जोर दिया। सिंह ने गडकरी को ये भी बताया कि स्फूर्ति योजनान्तर्गत खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड 168 प्रस्तावों पर काम कर रहा है। इनमें से 37 प्रस्तावों का प्रिल्मेनरी सेलक्शन कमेटी परीक्षण कर चुकी है। वर्चुअल संवाद से अपर मुख्य सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम डॉ. नवनीत सहगल भी जुड़े रहे।

लखनऊ, सीतापुर सहित छह जिलों में औद्योगिक आस्थान होंगे विकसित

सिद्धार्थनाथ ने नितिन गडकरी को बताया कि प्रदेश में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास के अन्तर्गत प्रयागराज, कानपुर देहात, फर्रूखाबाद, लखनऊ, सीतापुर व जौनपुर जिलों में औद्योगिक आस्थानों को विकसित करने का लक्ष्य है। इसके अलावा आगरा व कानपुर में फ्लैटेड फैक्ट्री काम्पलेक्स की स्थापना के लिए केंद्र से सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है। लखनऊ, गोरखपुर, अलीगढ़ तथा गाजियाबाद में भी फ्लैटेड फैक्ट्री काम्पलेक्स की स्थापना का प्रस्ताव है। इसका डीपीआर बनाकर जल्द भेजा जाएगा।